(ख) क्या बैंक उनसे अपनी बकाया राशि वसूल करने में सक्षम हैं; यदि हां, तो बैकों द्वारा अपनी धनराशि वसूल करने हेतु अब तक क्या कार्यवाही की गई हैं और अब तक कितनी धनराशि वसूल की गई हैं; और

(ग) यदि नहीं, तो सरकार बैकों की पूरी बकाया राशि वसूली को सुनिश्चित करने हेतु और कब तक कार्यवाही करने का विचार रखती हैं?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (डा. देवी प्रसाद पाल) : (क) भारतीय रिजर्व बैंक की आंकड़ा सूचना प्रणाली से अनिष्पादित आस्तियों (एनपीए) पर राज्यवार आंकड़े प्राप्त नहीं होते हैं। तथापि, जैसाकि भारतीय रिजर्व बैंक ने सूचित किया हैं कि 31 मार्च, 1995 की स्थिति के अनुसार, राष्ट्रीयकृत बैकों का एनपीए 251140.50 करोड़ रूपए था।

(ख) और (ग) बैकों और वित्तीय संस्थाओं को देय राशियों की वसूली को तेज करने के लिए सरकार ने ऋण वसूली को तेज करने के लिए सरकार ने ऋण वसूली अधिकरणों की स्थापना की हैं। सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक भी ऋण वसूली तंत्र को मजबूत करने और अग्रिमों पर निकट से पर्यवेक्षण और निगरानी करने की आवश्यकता हेतु बैंकों पर जोर डाल रहे हैं। भारतीय रिजर्व बैंक ने एनपीए की वसूली/उसमें कमी के लिए लक्ष्य निर्धारित किया हैं। एक महाप्रबंधक के अधीन बैंकों के प्रधान कार्यालयों में वसूली कक्ष गठित किए गए हैं। बैंकों का निदेशक मण्डल भी नियमित आधार पर वसूली की स्थिति की निगरानी करता हैं।

Seizure of Consignment of Bulk Drugs

1187. SHRI DIPANKAR MUKHERJEE: Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that a consignment of bulk drug Rifampicin which was being imported by the M/s. Mescos Pharmaceuticals was seized by the customs authorities; and

(b) if so, die details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI M.V. CHANDRASHEKHAR MURTHY): (a) and (b) No, Sir. However, a consignment of Rifampicin imported by M/s. Mescos Pharmaceuticals, for which the Bill of Entry No. 3746 dated 13-11-95 was filed on 13-11-95 in the Port of Bombay has been cleared on 5.12.95 after obtaining No-objection Certificate from the Drugs Controller as per statutory requirements.

Restrictions imposed on Foreign Captial Investment

1188. SHRI K. RAHMAN KHAN: Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) what are the restrictions imposed on foreign capital investment on repatriation of capital and profits;

(b) whether a foreign investor can take back his capital whenever he likes, or he has to wait for a block period to take back his capital; and

(c) what is the total foreign investment including NRI investment country-wise till date?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (DR. DE-BIPROSAD PAL): (a) and (b) There are no restrictions in the repatriation of Capital and profits after payment of taxes by foreign investors except in the case of consumer goods industries where outflows on account of dividend payments are to be balanced by export earning over a period of 7 years. Capital invested by way of prefential share allocation is subject to SEBI Guidelines including lock-in provision.

(c) Statement showing countrywise details of inflow of Direct Foreign Investment during 1991 to 1995 is attached.